NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 6
Chapter Name : दिये जल उठे

Q1 किस कारण से प्रेरित हो स्थानीय कलेक्टर ने पटेल को गिरफ़्तार करने का आदेश दिया ?
Answer.
बल्लभाई पटेल ने पिछले आंदोलन के समय स्थानीय कलेक्टर शिलिडी को अहमदाबाद से भगा दिया था। इस बात का बदला लेने के लिए स्थानीय कलेक्टर ने पटेल को गिरफ़्तार करने का आदेश दिया। जब की जज को समझ नहीं आ रहा था कि वह उन्हें किस धारा के तहत सजा दें। बल्कि ऐसे आदेश देकर वह बुरी तरफ फँस गया क्योंकि इस गिरफ्तारी का पूरे देश में विरोध हुआ।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

Q2 जज को पटेल की सज़ा के लिए आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा क्यों लगा ? स्पष्ट करें।
Answer.
जब बल्लभाई को पुलिस के पहरे के नीचे बोरसद की आदलत में लाया गया जहाँ उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। जज को समझ नहीं आ रहा था कि वह उन्हें किस धारा के तहत और कितनी सजा दें। इसी सोच - विचार में जज को आठ लाइन का फैसला लिखने में डेढ़ घंटा लग गया।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

Q3 "मैं चलता हूँ। अब आपकी बारी है ।"- यहाँ पटेल के कथन का आशय उद्धृत पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।
Answer.
पटेल जी को बोरसद से साबरमती जेल ले जाया जा रहा था क्योंकि सरदार पटेल को तीन महीने की सजा हुई थी तो पटेल जी ने गाँधी जी के आश्रम के पास से होकर गुजरना था। क्योंकि जेल का रास्ता आश्रम के सामने से ही होकर जाता था। जब पटेल के आग्रह पर गाड़ी आश्रम पर रुकी तो उन्होंने रास्ते में खड़ी भीड़ का अभिवादन स्वीकार किया और गाँधी जी से मुलाकात की तथा यह भी कहा कि मैं चलता हूँ अब आपकी बारी है।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

Q4 "इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें" - गाँधी ने यह किसके लिए और किस संदर्भ में कहा ?
Answer.
दरबार लोग रास में रहते हैं। दरबार लोग अपने इलाके के मालिक होते थे, एशो-आराम की जिंदगी थी, एक तरह का रियासदार थे। उनके अपने दरबार थे। वे लोग ये सब कुछ छोड़कर गाँधी जी के सत्याग्रह आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए उनके साथ हो लिए थे। देश के लिए उनका त्याग और बलिदान को देखते हुए गाँधी जी ने वहाँ उपस्थित लोगों से यह कहा कि इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

Q5 पाठ द्वारा यह कैसे सिद्ध होता है कि -"कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझ-बूझ और अपनी मेलजोल से किया जा सकता है।" अपने शब्दों में लिखिए।
Answer.
जब यह तय किया गया कि नदी को आधी रात के समय समुद्र का पानी चढ़ने पर पार किया जाए ताकि कीचड़ और दलदल में कम- से- कम चलना पड़े। गाँधी जी द्वारा चलाए आंदोलन को सफल बनाने के लिए हजारों की तादाद में लोग नदी कि तट पर दीए लेकर पहुँच गये तथा वहाँ उपस्थित लोंगों को रात के समय नदी पार करना था और गांधी जी के आंदोलन को सफल बनाना था। ऐसी कठिन परिस्थितियों में सब को एक साथ होकर चलना ही यह सिद्ध करता है कि कैसी भी परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझबूझ और आपसी तालमेल से किया जा सकता है ।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

Q6 महासागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था? अपने शब्दों में लिखिए ।
Answer.
गाँधी जी द्वारा चलाए गए आंदोलन को सफल बनाने के लिए हजारों की संख्या में लोग हाथों में दिए लिए महि नदी के तट पर पहुँच गये थे। दोनों ओर कीचड़ था। वहाँ उपस्थित लोगों को रात के समय नदी पार करनी थी। मगर लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं थीं । अतः गाँधी जी के साथ मिलकर उनके आंदोलन को सफल बनाना था। एक तरफ नदी के किनारे गाँधी जी के साथ पूरा जन-सैलाब था तो दूसरी ओर भी पूरा जन -सैलाब गाँधी जी के स्वागत के लिए उमड़ पड़ा था।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

Q7 "यह धर्ममयात्रा है। चलकर पूरी करूँगा ।" -गांधी जी के इस कथन द्वारा उनके किस चारित्रिक गुण का परिचय प्राप्त होता है?
Answer.
आधी रात में गाँधी जी को लगभग चार किलोमीटर पैदल दलदली ज़मीन पर चलना पड़ा । जब तब कुछ लोगों ने उनसे आग्रह किया कि वे कुछ देर उनके कंधे पर बैठ जाए तो उन्होंने साफ मना कर दिया और कहा कि मैं आप सबके के साथ पैदल ही चलूँगा क्योंकि यह मेरी धर्म यात्रा है, इसे मैं पैदल चलकर ही पूरी करूँगा। गांधी जी किसी भी मुश्किल में न घबराने वाले, स्वतंत्रता सेनानी और सिर्फ एक मार्गदर्शक नेता ही नहीं सबको साथ लेकर चलने वाले और सभी के सुख - दुःख में उनके साथ खड़े होने वाले महात्मा थे ।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

Q8 गाँधी को समझने वाले वरिष्ठ अधिकारी इस बात से सहमत नहीं कि गाँधी कोई काम अचानक और चुप के से करेंगे । फिर भी उन्होंने किस डर से और क्या एहतियाती कदम उठाए ?
Answer.

ब्रिटिश शासकों का एक वर्ग ऐसा भी था जिसे लग रहा था कि गांधी और उसके सत्याग्रही महि नदी के किनारे अचानक नमक बनाकर कानून तोड़ देंगे। जिसकी रखवाली के लिए सरकारी नमक चौकीदार रखे जाते थे। गांधी को समझने वाले वरिष्ठ अधिकारी इस बात से सहमत नहीं थे कि गांधी जी कोई काम अचानक और चुप के से करेंगे। इसके बावजूद उन्होंने नदी के तट से सारे नमक भंडार हटा दिए और उन्हें नष्ट करा दिये ताकि इसका खतरा ही न रहे।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

Q9 गांधी जी के पार उतरने पर भी लोग नदी तट पर क्यों खड़े रहे ?
Answer.
गांधी के पार उतरने पर भी लोग नदी तट पर दिये लेकर खड़े रहे क्योंकि अभी सत्याग्रहियों को भी उस पार जाना था। शायद उन्हें पता था कि रात में कुछ और लोग आएँगे जिन्हें नदी पार करानी होगी। इसलिए लोग नदी तट पर खड़े थे ।

Page : 48 , Block Name : बोध-अभ्यास

aglasem.com